लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Press Note 30 May 2020

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने कार्यरत शिक्षकों के लिए कंसल्टेंसी पॉलिसी लेकर आया है। इस पॉलिसी के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक विश्वविद्यालय के अलावा भी कही और कंसल्टेंसी या अपनी सेवाएं दे पाएंगे बशर्ते उनकी आय का एक हिस्सा विश्वविद्यालय को दिया जाए। उक्त पॉलिसी के अंतर्गत विज्ञान विषयों में विश्वविद्यालय के अध्यापक 60% और अन्य विषयों में 70% तक आय अपने पास रखेंगे और बकाया राशि विश्वविद्यालय से सांझा करनी होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में (परास्नातक) अर्थशास्त्र विषय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए अगले सत्र से श्री विद्या प्रकाश मेमोरियल स्कालरशिप शुरू की जाएगी। उक्त छात्रवृत्ति नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार की तरफ से उनके पिताजी की स्मृति में दिया जा रहा है, और यह एम ए अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे विद्यार्थी को जो लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक अर्थशास्त्र स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करके परास्नातक में प्रवेश लेगा/लेगी,उसे दिया जाएगा। यदि स्नातक में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी किसी कारणवश विश्वविद्यालय में प्रवेश नही लेता तो द्वितीय, या तृतीय क्रम से प्रवेशित छात्र (जिसके अंक किसी भी दशा में 60% से कम न हो) को प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति की राशि हर महीने 1000/- रुपये होगी और 2 साल तक प्रदान की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

First day of the National Webinar organised by Ludwig Wittgenstein Philosophical Society, Lucknow on COVID-19 PHILOSOPHY: Ethical, Linguistic and Epistemic Concerns concluded successfully. It has been discussed that there is a need to reflect on the nature of Post COVID-19 World. Three branches of Philosophy – Ethics, Philosophy of Language and Epistemology – were discussed. Philosophy provides solutions to the problems of life. The webinar started with the welcome address by Professor K C Pandey, Department of Philosophy, University of Lucknow. Prof. H S Upadhayaya, Head, Department of Philosophy and President, LWPS welcomed all the participants. Chairman Indian Council of Philosophical Research, New Delhi, Professor R C Sinha said that Philosophy of Wittgenstein is very much relevant in Corona lockdown days. Vice Chancellor of Mahatma Gandhi Antarrastriya Hindi Viswavidyalaya Wardha Professor Rajneesh Shukla in his Keynote Address said Indian Cuture and Philosophy is the best in the world. Chairman Indian Philosophical Congress, Prof. S R Bhatt discussed about Indian value system in his presidential remarks. The vote of thanks was delivered by Pro- Vice Chancellor of N P University and Dean of Arts, DDU Gorakhpur University Professor D N Yadav. About 120 participants throughout India participated in the webinar. Professor Alex Hankey from Cambridge, MIT, USA presented lecture on the COVID crisis and Wittgenstein's private language argument and suggested how one much not intrude into other's privacy. Many Professors from various universities in India such as Prof. Panneerselvam from Chennai, Professor, Anil Kumar from Central University of Kashmir, Professor Purbayan Jha from West Bengal, Professor Enakshi Ray Mitra from University of Delhi, Professor R P Singh, from JNU presented their papers. Dr. Rajendra Kumar Verma, Department of Philosophy, University of Lucknow presented his paper on Buddhist approach COVID. The webinar is being organised and coordinate by Professor K C Pandey. Tomorrow is the final day of the webinar.

आज लुडविग विटगेंस्टीन फिलोसॉफिकल सोसायटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का पहले दिन उद्घाटन पूरे देश के प्रसिद्ध दार्शनिकों द्वारा किया गया। वेबीनार का उद्घाटन करते

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

हुए भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के चेयरमैन प्रो0आर0 सी0 सिन्हा ने कहा कि विटगेंस्टीन के विचार कोविड-19 मार्गदर्शक का काम करते हैं। वेबीनार के उद्घाटन सत्र का कीनोट वक्तव्य महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रजनीश शुक्ला ने किया। प्रो0शुक्ला ने बताया कि भारतीय संस्कृति और दर्शन जितनी मजबूती से करुणा का सामना करने में समर्थ है उतनी मजबूती से पूरे विश्व की कोई अन्य संस्कृति नहीं कर सकती। इंडियन फिलोसॉफिकल कांग्रेस के चेयरमैन प्रो0यस 0आर0 भटनी भारतीय मूल्य मीमांसा की चर्चा की। अमेरिका के प्रोफेसर अलेक्स हैंकी ने भाषा दर्शन और निजता पर प्रकाश डाला। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के डॉ0 राजेंद्र कुमार वर्मा ने कोविड के संदर्भ में बौद्ध पारमिताओं की सार्थकता पर प्रकाश डाला। वेबिनार के संयोजक प्रो0 के0 सी0 पांडेय विटगेन्स्टीन के भाषा सम्बन्धी विचारों का कोविड संदर्भ में रखा। और अंत मे सभी वक्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।